भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2915

उत्तर देने की तारीख : 12.12.2024

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत निधि

2915. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी :

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना के लिए धन अंतरण की स्थिति क्या है;

(ख) इसके अंतर्गत शिल्पकारों को प्रदान की जाने वाली विपणन और ब्रांडिंग सुविधाओं की प्रकृति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) शिल्पकारों के लिए सेवा विस्तार की भावी योजनाओं तथा शिल्पकारों से संबंधित जोखिमों के लिए रियायती बीमा देने की संभावनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) : पीएम विश्वकर्मा स्कीम को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 17.09.2023 को अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले 18 व्यवसायों के कारीगरों और शिल्पकारों को सम्पूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। दिनांक 06.12.2024 तक, स्कीम के तहत स्वीकृत और व्यय की गई धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	संशोधित अनुमान (सं.अ.) (करोड़ रुपए में)	किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
2023-24	746	746
2024-25 **(दिनांक 06.12.2024 तक)**	3,200	3,110

चूंकि यह एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, इसलिए राज्यवार धनराशि आवंटित नहीं की जाती है।

(ख) : पीएम विश्वकर्मा स्कीम लाभार्थियों को गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग, विज्ञापन, प्रचार और अन्य विपणन गतिविधियों के रूप में विपणन सहायता प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत कारीगरों और उनके शिल्प और कौशल को बढ़ावा देने के लिए देश भर में व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है।

(ग) : प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्कीम को अपने हाथों और औजारों के साथ काम करने वाले 18 व्यवसायों के ऐसे कारीगरों और शिल्पकारों को सम्पूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी गई है, जो निम्नलिखित छह घटकों के साथ काम करते हैं, जो इस प्रकार हैं:

(i) पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड
(ii) कौशल उन्नयन
(iii) टूलकिट प्रोत्साहन
(iv) कॉलेटरल मुक्त रियायती ऋण सहायता
(V) डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन
(Vi) विपणन सहायता।

अभी तक, कारीगरों से संबंधित जोखिमों के लिए रियायती दरों पर बीमा करने की संभावना प्रदान करने सहित सेवा विस्तार की कोई योजना नहीं बनाई गई है।

*****